L-4

बौद्ध धर्म एवं सांची स्तूप के विशेष संदर्भ में प्राचीन भारतीय धर्मों का इतिहास

Objective

1) प्रावैदिक कालीन लोग किसकी पूजा करते थे?
Ans) i) विष्णु ii) प्रकृति ✓ iii) लक्ष्मी iv) शिव

2) उत्तर वैदिक काल के अंत तक किसकी पूजा होने लगी?
Ans) i) ब्रह्मा, विष्णु, महेश ✓ ii) गायत्री iii) लक्ष्मी iv) पार्वती

3) सांची मध्य प्रदेश के किस जिले में स्थित है?
Ans) रायसेन

4) कुंडल वन (कश्मीर) मे चतुर्थ बौद्ध संगीति किस शासक के काल मे हुई?
Ans) ~~कनि~~ कनिष्क

5) आश्रमुनि का संबंध है
Ans) वैष्णव धर्म

6) कालिदास भवभूति सुबंधु वाणभट्ट आदि किस धर्म के मानने वाले थे?
Ans) शैव धर्म

7) महात्मा बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति कहाँ हुई थी।
Ans) बौद्ध गया

8) श्वेताम्बर एवं दिगम्बर का संबंध किस धर्म से है?
Ans) i) हिंदू ii) बौद्ध iii) शैव iv) जैन

9) बौद्ध परंपरा में अशोक ने किसके तल स्तूप बनाए?
Ans: 84000

10) बुद्ध का बचपन का नाम क्या था?
Ans) सिद्धार्थ

11) तृतीय बौद्ध संगीति का आयोजन कहाँ हुआ था?
Ans) पाटलीपुत्र (अशोक शासक)

12) महात्मा बुद्ध का जन्म स्थान कहाँ है?
Ans) कपिलवस्तु

13) जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर कौन थे?
Ans) महावीर स्वामी

14) प्रथम बौद्ध संगीति किस शासक के काल में हुई?
Ans) अजातशत्रु

15) स्तूप संबंधित है?
Ans) बौद्ध धर्म से

Scanned with CamScanner

Q. बौद्ध सम्प्रदाय कितने भागों में विभक्त हो गया था?

1 उत्तर बौद्ध सम्प्रदाय कालान्तर में क्रमशः हीनयान, महायान एवं वज्रयान में बँट गया था।

(1) हीनयान :- हीनयान का अर्थ है - लघु चक्र। ये लोग बुद्ध के मूल शिक्षाओं में आस्था रखते थे। मूर्ति पूजा में उनका विश्वास नहीं था, बल्कि इनका विश्वास अष्टांगिक मार्ग में था। इस धर्म का महान संरक्षक सम्राट अशोक था। इनकी पुस्तकें पाली भाषा में हैं।

(2) महायान - महायान का अर्थ है - मोक्ष या महाचक्र। इन्होंने बुद्ध की मूल शिक्षाओं में कुछ परिवर्तन किया। इन्होंने बुद्ध की मूर्ति बनाकर उन्हें पूजने लगे। इनकी पुस्तकें संस्कृत में लिखी गई। महायान धर्म का संरक्षक सम्राट कनिष्क था।

(3) वज्रयान :- इस सम्प्रदाय का उदय 8वीं सदी में बंगाल और बिहार में हुआ। इसके अनुयायी कुछ गोपनीय क्रियाएं करते थे जिनमें स्त्रियां एवं मदिरा आवश्यक होती थीं। यह धर्म पंजाब, कश्मीर, सिंध एवं अफगानिस्तान में फैला। इसकी बुराइयां ही आगे चलकर बौद्ध धर्म के पतन का कारण बनीं।

Scanned with CamScanner

② त्रिपिटक (Tripitakas) का शाब्दिक अर्थ बताइए?

उत्तर त्रिपिटक का शाब्दिक अर्थ है - तीन टोकरियाँ जिनमें कि पुस्तक रखी जाती है। भगवान बुद्ध की मृत्यु के बाद उनकी अनुयायियों ने उनकी शिक्षाओं का संकलन (collection) तीन पिटकों ① सुत्तपिटक ② विनयपिटक एवं ③ अभिधम्मपिटक में किया। इन तीनों ग्रंथों या पुस्तकों को मिलाकर त्रिपिटक कहा जाता है।

सुत्तपिटक में बौद्ध धर्म के सिद्धांत मिलते हैं। विनयपिटक में बुद्ध धर्म के आचार-विचार एवं नियम मिलते हैं। और अभिधम्मपिटक में बुद्ध का दर्शन मिलता है।

बौद्ध धर्म की देन

बौद्ध धर्म ने भारतीय समाज, धर्म, दर्शन, साहित्य और कला पर अपना अमिट प्रभाव डाला। धार्मिक क्षेत्र में इसने पुरोहितों और वेदों की अधिसत्ता समाप्त कर निर्वाण-प्राप्ति के लिए मध्यम मार्ग एवं सदाचारी जीवन अपनाने की सीख दी। अहिंसा की नीति अपनाकर इसने अनावश्यक पशु-वध को बंद करके नवीन कृषि-प्रणाली के विकास में मदद पहुँचाई तथा नगरीय जीवन के विकास को प्रभावित किया। सामाजिक क्षेत्र में बौद्ध धर्म की सबसे बड़ी देन थी वर्ण-व्यवस्था और जाति-व्यवस्था को अस्वीकार कर सभी व्यक्तियों को समान धरातल पर लाना। स्त्रियों को भी समानता का अधिकार मिला।

Scanned with CamScanner